ALL INDIA GEM AND JEWELLERY DOMESTIC COUNCIL
PROMOTING • PROTECTING • PROGRESSING
6th Floor, P & S Corporate House, Plot No. A-56, Road No. 1, Behind Tunga International, MIDC, Andheri (E), Mumbai - 400 093. India.
Tel: 91- 22 6738 2727 • Fax: 91-22-6738 2706 • Email: info@gjc.org.in • Website: www.gjc.org.in
CIN U91990MH2005NPL 154999
Formerly known as "ALL INDIA GEMS AND JEWELLERY TRADE FEDERATION"

श्रीमान,

उद्योग के कुछ सदस्यों द्वारा संदेश और पत्र प्रसारित किए जा रहे हैं, जो यह महसूस करते हैं कि जीजेएफ के जीजेसी बनने में कुछ विवाद है तथा एमओसी ने जीजेसी घरेलू परिषद बनाने की मंजूरी दे दी है। ऐसा लगता है कि इस विषय में संवाद-हीनता है और इस पर गलत तरीके से विचार किया जा रहा है। यहां मैं, उद्योग के कुछ सदस्यों द्वारा उठाए गए चंद आशंकाओं को स्पष्ट करने का अवसर लेना चाहता हूँ। 2007 में वाणिज्य मंत्रालय (एमओसी) द्वारा जीजेएफ को घरेलू परिषद बनाने के लिए जीजेएफ से संपर्क किया गया था। जिसने घरेलू परिषद के आवश्यकता की सिफ़ारिश की है। जीजेईपीसी ने यह भी प्रस्तावित किया है कि जीजेएफ सबसे योग्य निकाय है। परन्तु, जीजेएफ ने कहा कि इस प्रस्ताव पर विचार कर के वापस आएंगे जब वह परिषद में शामिल होने हेतु पूरी तरह तैयार हो जाएगा। क्योंकि तब के निदेशक मंडल (बीओडी) ने महसूस किया कि जीजेएफ में काफी सुधार और परिवर्तनों की जरूरत है। जीजेएफ ने इसके बजाय काम करने के तरीकों को पुनर्स्थापित करना शुरू कर दिया और श्रेणी के आधार पर इसकी सदस्यता देना शुरू कर दिया और समय-समय पर एओए में एक अर्ध-परिषद के रूप में काम करने के लिए उपयुक्त बनाने के लिए संशोधित किया और एमओसी को इसका प्रस्ताव दिया गया।

इस बीच 2014 में एमओसी ने एक प्रस्तुति देने के लिए एसोसिएशन्स को आमंत्रित किया, यदि वे घरेलू परिषद बनने के योग्य हैं। एमओसी के सचिव द्वारा उनका मूल्यांकन किया गया था, जिन्होंने इसके लिए अपना नाम दिया था। जीजेएफ ने 2016 में एमओसी को घरेलू परिषद के रूप में मान्यता दिए जाने के इरादे से सूचित किया और समीक्षा के लिए परिवर्तित एओए भेजा। एमओसी ने बताया कि रिफाइनरीज़, हॉलमार्किंग अलाइड से कुछ पैनलों को शामिल करने के लिए एओए में संशोधन की आवश्यकता होगी। एमओसी ने यह भी पूछा कि चुनाव में सामान्य निकाय द्वारा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष भी चुने जाएंगे, प्रत्येक पैनल के लिए सीटों के आवंटन पर विचार किया जाना चाहिए। पैनलों के पुनर्गठन को एमओसी द्वारा आवश्यकतानुसार भी किया गया था। चुनाव एक स्वतंत्र निकाय द्वारा आयोजित किए जाएंगे और डीजीएफटी द्वारा इसकी निगरानी की जाएगी। हर वो सदस्य उन चुनावों में खड़े होने का हकदार होगा जो उनके द्वारा प्रतिनिधित्व किए जाने वाले पैनलों के आधार पर आयोजित किए जाएंगे। तदानुसार एमओसी जीजेएफ द्वारा वांछित के रूप में यह एओए संशोधित किया गया है और यह इसका नया नाम है और इसे एमओसी और आरओसी से मंजूरी मिली है, जबकि एमओसी ने बताया है कि जीजेसी का घरेलू परिषद के रूप में उदघाटन वाणिज्य मंत्री द्वारा किया जाएगा।

चूंकि जीजेसी अब एक परिषद बन गया है, जीजेसी का मौजूदा बोर्ड इस्तीफ़ा देने वाला है। मैं आपको आश्वस्त करूंगा कि अध्यक्ष के रूप में मैं अध्यक्ष पद के लिए चुनाव नहीं लड़ूंगा क्योंकि यह शुरुआत से ही जीजेसी की संस्कृति रही है। जीजेसी में किसी भी अध्यक्ष ने कभी भी पदासीन रहते चुनाव लड़ने की कोशिश नहीं की है और हमेशा यह माना जाता है कि जीजेसी का नेतृत्व करने के लिए नए सदस्यों को एक अवसर दिया जाना चाहिए। पूरे जीजेसी को अब उद्योग में समर्पित कर दिया जाएगा। ताजा चुनाव की तारीख जल्द ही घोषित की जाएगी।

सदस्यों को उनके द्वारा निर्दिष्ट पैनलों के अनुसार बोर्ड का सदस्य बनने के लिए अपने नामांकनों में भेजने का अधिकार होगा। मैं उन सभी की दृढ़ता से अनुशंसा करता कि आप सभी का नेतृत्व करने के लिए खुद को नामित करे और जीजेसी के माध्यम से उद्योग की सेवा करें। कुछ महीनों की अवधि के भीतर ही नए सीओए का गठन नए अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के साथ किया जाएगा। घरेलू परिषद के गठन के इस पूरे उद्देश्य का मुख्य महत्व काम करने का एक व्यापक मंच होना है, और यह सुनिश्चित करना है कि उद्योग-जगत एकजुट रहे ताकि उद्योग के मुद्दों और मामलों को एमओसी के माध्यम से सरकार को सहायक के तौर पर संबोधित किया जा सके।

हम जीजेसी को उद्योग के लिए सौंप रहे हैं और हम अपने सभी साथी सदस्यों को आमंत्रित करते हैं कि वो जीजेसी के सदस्य बने और विकास को आगे बढ़ाने के लिए परीक्षित के महत्वपूर्ण पदों को स्वीकार करें।

घरेलू परिषद के गठन का मुख्य उद्देश्य ये है कि हमारे उद्योग के काम के लिए एक व्यापक मंच मिले और यह सुनिश्चित हो कि यह एकजुट और संगठित रहे। उद्योग के मुद्दों और मामलों पर सरकार को सहायक तरीके से संबोधित किया जा सकता है। साथ ही मैं विभिन्न संदेशों और बयानों से आने वाली आशंकाओं को भी समझता हूं और मुझे लगता है कि आप इसके लिए योग्य हैं। ऐसा लगता है कि संवाद-हीनता आ रही है। मैंने अपने बातों और मंतव्य को स्पष्ट रखने का प्रयास किया है और आपको आश्वस्त कर सकता हूं। हम यह सुनिश्चित करने के लिए अपना सर्वोत्तम प्रयास करेंगे कि उद्योग-जगत के हर सदस्य के लिए जीजेसी असली प्रतिनिधि हो। अगर कोई और सिफारिश या सुझाव है जो आप देना चाहते हैं, तो मैं व्यक्तिगत रूप से कोशिश करूँगा और ईमानदारी से उस पर विचार करूँगा।

धन्यवाद!

Nitin Khandelwal
Chairman – GJC **Email:** chairman@gjc.org.in